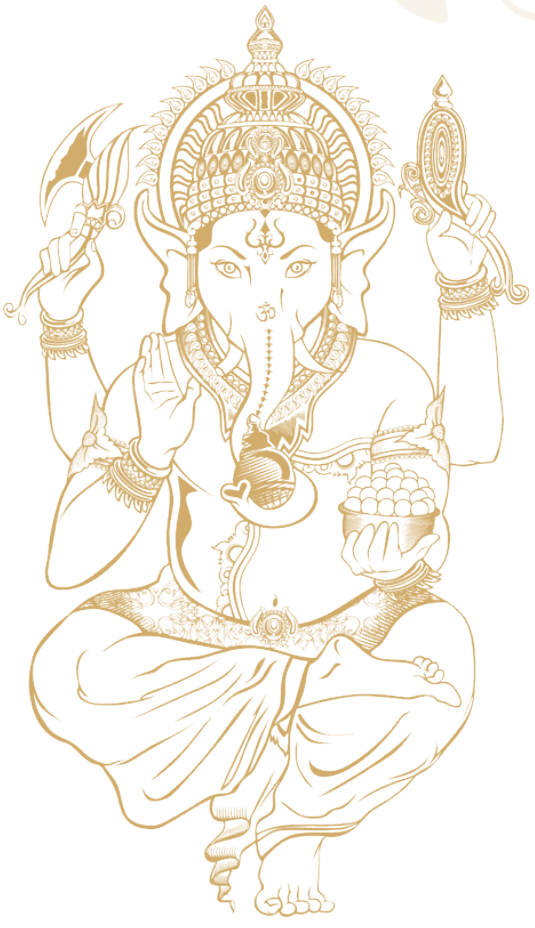

Shiv kumar mishra

Pratibha dube

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120817002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	6-07/08/1992
रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	03:02:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	53:59:22 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Delhi
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	05:45:22
18:10:39	सूर्यास्त	19:08:05
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मिथु	14:52:34	शनि 12वर्ष 1मा 24दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	कर्क	20:53:06	केतु
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	वृश्चि	08:08:22	01/10/2021
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	वृष	13:42:03	01/10/2028
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध व	कर्क	14:13:29	केतु 27/02/2022
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	सिंह	22:32:05	शुक्र 29/04/2023
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	सिंह	05:47:08	सूर्य 04/09/2023
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि व	मक	21:24:59	चन्द्र 04/04/2024
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु	धनु	06:05:29	मंगल 31/08/2024
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु	मिथु	06:05:29	राहु 19/09/2025
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष व	धनु	21:08:10	गुरु 26/08/2026
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप व	धनु	23:05:04	शनि 05/10/2027
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	तुला	26:24:13	बुध 01/10/2028

लग्न-चलित

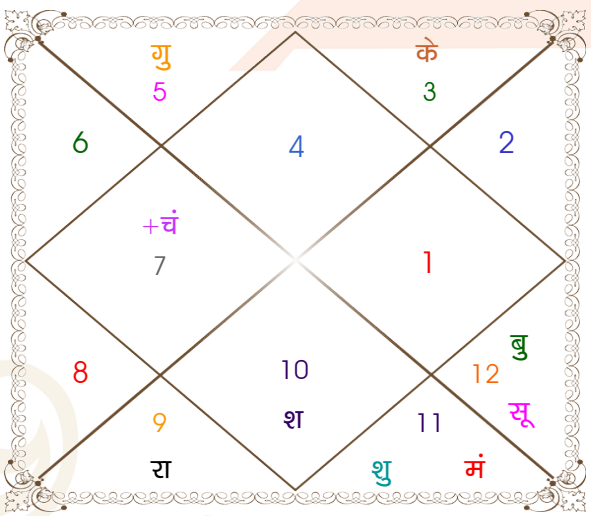

लग्न-चलित

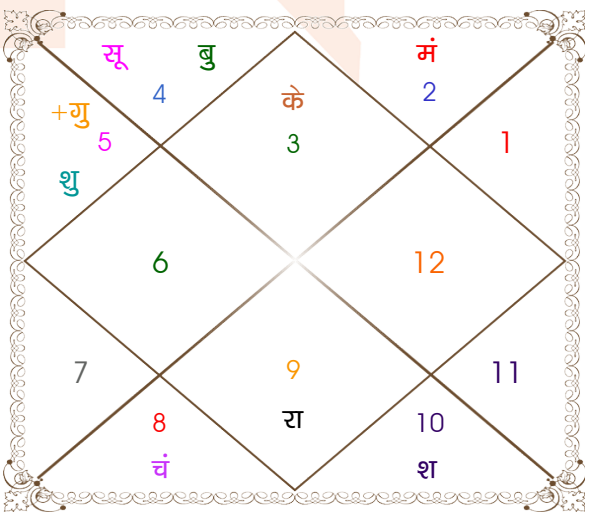

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ौपअ ानउंत उपेीतं का वर्ग सर्प है तथा Pratibha dube का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौपअ ानउंत उपेीतं और Pratibha dube का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ ानउंत उपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pratibha dube मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Pratibha dube कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः

मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Pratibha dube कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअ ानउंत उपेीतं तथा Pratibha dube में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।